**9.** (क) खोरठाक बिकासें महेश गोलवार जीक जोगदान के बखान करा। 20

(ख) खोरठाक जनवादी कबि के रूपें श्री शिवनाथ प्रमाणिक के परिचय दाय। 20

**10.** (क) खोरठा सिस्ट साहित लोक साहित के रीनी हे? फरीछ करा। 20

(ख) खोरठाक फिंगाढी रचना (व्यंग्य रचना) पर एक गढ़िया नोट लिखा। 20

★★★

(ख) हामनिक संस्कीरति तीन बातें बड़ी बेस हे। ऊ हे श्रम, समता आर सह अस्तित्व। एहे हे हामनिक समाजेक दर्शन (Philosophy) आर एकर छापा हामनिक भाखाञ् पावा हे।

(ग) गाँधी जी कहल हथी जे ऊ वे हे कला साहित के पसिंद कर-ऽ हथ जे ऊ करोडो-करोड लोक खातिर हेवे हे।

(घ) आब एह टो कोन्हो बात भेलक भईया। हामें ठहरलों किसान। सउसे दिन कादो-मार्टी गंजाईल रहवइया लोक। लोकों कहता कि तनी देखीं ऐकरा-आइझ भजुअ, तेली राजा भोज बइन गेलक।

**7.** (क) 'जिनगीक टोह' उपनियासेक लेताइरें खोरठाक आबतइक के इंजराइल (प्रकाशित) उपनियास के परिचय दाय। 20

(ख) खोरठा सिस्ट साहितेक तलिआवेक में भुनेश्वर दत्त शर्मा 'व्याकुल' जीक जोगदान के बखान करा। 20

**8.** (क) कहानीकार पंचम महतोक खोरठा कहनी में 'ग्रामीण परिवेश' के छापा पावल जाहे उनखर कहनीक लेताइरें फरीछ करा। 20

(ख) नउतन परिया (आधुनिक युग) के खोरठा साहितकार में से कोनो एक साहितकार के जीवनी लिखा। खोरठा साहित के बिकास में उनखर कि जोगदान हइ? 20





**4CCSME**

# KHORTHA LANGUAGE AND LITERATURE
# खोरठा भाषा और साहित्य

PAPER—II

प्रश्न-पत्र—II

*Full Marks* : 200 *Time* : 3 hours

*पूर्णांक* : 200 *समय* : 3 घण्टे

*सवालेक जबाब खोरठें दाय*

कुल **पाँच** सवालेक उत्तर दाय। सवाल संइखा **1** आर **6** जुनजुनार (अनिवार्य) हइ। बाकी दुइयो खण्ड से कम-से-कम **एक-एक** सवालेक उत्तर दाय

**1.** हेंठें उखरवल (लिखल) कोन्हों **चाइरगो** सवालेक उत्तर दाय (पइत सवालेक जवाब *200* सबदें दाय)— 10×4=40

(क) लोकगीत के माने बतावा। लोकगीत आर शिस्टगीत के मांझे फरका-फरकी करा।

(ख) लोकगीतेक लस्तंगा लोक मानस से हेवे हे। लोक मानस के सहज अभिबेकति के रूपें एकर बिसेसता गिनावा।

(ग) लोककथाक लेताइरें कथा कहेक बेस आर ठाँव के बारें वतावा।

(घ) खोरठा लोककथाक जनम के बारे बतावा।

(ङ) खोरठा लोकगीतेक मुख परबिरति के उखरावा।

(च) खोरठा लोककथाक बिसेसता बतावा।

(छ) 'प्रकीर्ण' साहित के माने बतावा। एकर में लोक साहित के कोन-कोन बिधा आवे हे,फरीछ करा।

(ज) खोरठा सिस्ट साहितें कहनी आर उपनियास के मांझे फरका-फरकी (अन्तर) के फुरछावा।

## खण्ड—क

**2.** (क) खोरठा लोकगीत लोक संस्कीरति के वाहक हे, लोकगीतेक लेताइरें फरीछ करा। 20

(ख) खोरठा लोकगीत आर परकिरति चितरन पर खाँट-खुँट नोट लिखा 20

**3.** (क) खोरठा निबंध साहित के बिकासेक कथा लिखा। 20

(ख) खोरठा गइद साहितेक लेताइरें लघु कथाक बिकास के बखान करा। 20

**4.** (क) खोरठा में आलोचना साहित के बिकास पर नजइर गबचाय के बखान करा। 20

(ख) नाटक आर कहनी के माने बताइ के दुइयोक मइधें फरका-फरकी के बतावा। 20

**5.** (क) खोरठें पहेली बा बुझवल के कि नामें जानल जाहे? एकर बिसेसता के बतावा। 20

(ख) 'प्रकीर्ण' साहितें मंतर के कि स्थान हे? आपन सुरछा, बिस हरन, नजइर-गोजइर झारन खातिर एक-एक मंतर के पटतइर दाय। 20





## खण्ड—ख

**6.** लेताइर दइ के हदी-खदी (सप्रसंग व्याख्या) करा। पइत (प्रत्येक) भाग से **दू-दूगो**, कुल **चाइरगो** के हदी-खदी करा— 10×4=40

### पइद भाग

(क) सभे पुरान, वेद, इसमिरती
उपनिषद्-रामयनी-गीता
महाभारत, दइहना पोथी
करे सजाएक उता-सुता।

(ख) हिन्दु मुसलमान सिख इसाई
हामनी सभीन भाय-भाय।
सभेक खुनेक एके रंग
तबे काहे देस गुलाक अंग-भंग।

(ग) आँइक मइस अपने डंडऊ
तभी कुछ-कुछ सुतार हतउ
ददाक भरोसे कतारी
अइसन में कि खेती हतउ।

(घ) निंदाइ खातिर आल छउवाक
सुखल मार्टी धुराक बीछना
वाह रे! पथलेक भगवान
चंदन फुलेक तोर साजना!

### गइद भाग

(क) हियाँ समाज के बेबस्था गड़बड़ाइल हे। एक बेबस, लाचार हे तो दोसर मोटाइल। एक के पास चवन्नी तो दोसरेक पासें चाइर लाख बैंक बइलैंस।